

India and Ghana Sign MoU on Agricultural Research and Technology Transfer



On 7 October 2026, the Indian Council of Agricultural Research (ICAR), New Delhi, and Ghana's Crops Research Institute (CSIR-CRI), Accra, signed a five-year MoU to strengthen agricultural research, education, technology transfer and commercialisation. The first phase will focus on vegetable crop research, particularly tomato. The collaboration will also cover cassava and yam processing and value addition, along with post-harvest management and cold-storage technology.

Key Highlights

Aspect	Details
Main objective	Promote improved crop varieties
Key stakeholders	Research institutions, seed producers and industry partners
Focus area	Seed production and distribution
Expected benefit	Better access to suitable planting material

Role of Improved Crop Varieties

Improved varieties can offer useful traits such as higher yield potential, disease resistance, and tolerance to environmental stress, depending on the variety.

Why Is It Important?

- Agricultural productivity: Suitable varieties can support better crop performance.
 - Climate resilience: Some varieties are developed to tolerate drought, heat, or other stresses.
 - Research and innovation: Collaboration can support the development and dissemination of improved seeds.
- Press Information Bureau

Conclusion

Agreements concerning crop varieties can contribute to agricultural development by supporting research, seed production, and the wider availability of improved planting material. Their actual impact depends on the crop, local growing conditions, seed quality, and implementation of the agreed terms. Selecting suitable varieties and ensuring access to quality seeds remain important for sustainable farming.

MCQs

1. What is a key objective of improved crop varieties?

- A. Reduce agricultural research
- B. Improve crop performance
- C. Stop seed production
- D. Reduce crop diversity

Answer: B. Improve crop performance

2. Which trait may an improved crop variety offer?

- A. Disease resistance
- B. Guaranteed profit
- C. Zero water requirement
- D. No maintenance

Answer: A. Disease resistance

3. Which stakeholders may participate in crop-variety agreements?

- A. Research institutions
- B. Seed producers
- C. Industry partners
- D. All of the above

Answer: D. All of the above

4. What should farmers consider when selecting a crop variety?

- A. Local growing conditions
- B. Suitability for the region
- C. Seed quality
- D. All of the above

Answer: D. All of the above

भारत और घाना के बीच कृषि अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी हस्तांतरण पर समझौता

7 अक्टूबर 2026 को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR), नई दिल्ली और घाना के Crops Research Institute (CSIR-CRI), अकरा के बीच कृषि अनुसंधान, शिक्षा, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और व्यावसायीकरण को बढ़ावा देने के लिए पाँच वर्षीय समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए। सहयोग के पहले चरण में सब्जियों, विशेषकर टमाटर के अनुसंधान पर ध्यान दिया जाएगा। इसमें कसावा और याम का प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन तथा फसल कटाई के बाद प्रबंधन और कोल्ड-स्टोरेज तकनीक भी शामिल हैं।

मुख्य विशेषताएँ

पहलू	विवरण
मुख्य उद्देश्य	उन्नत फसल किस्मों को बढ़ावा देना
प्रमुख हितधारक	अनुसंधान संस्थान, बीज उत्पादक और उद्योग जगत के भागीदार
प्रमुख क्षेत्र	बीज उत्पादन और वितरण
अपेक्षित लाभ	उपयुक्त रोपण सामग्री तक बेहतर पहुँच

उन्नत फसल किस्मों की भूमिका

उन्नत किस्मों में किस्म के आधार पर अधिक उपज क्षमता, रोग प्रतिरोधक क्षमता और पर्यावरणीय तनावों को सहन करने जैसी उपयोगी विशेषताएँ हो सकती हैं।

यह क्यों महत्वपूर्ण है?

- कृषि उत्पादकता: उपयुक्त किस्मों बेहतर फसल प्रदर्शन में सहायता कर सकती हैं।
- जलवायु अनुकूलता: कुछ किस्मों को सूखा, गर्मी या अन्य प्रतिकूल परिस्थितियों को सहन करने के लिए विकसित किया जाता है।
- अनुसंधान और नवाचार: सहयोग से उन्नत बीजों के विकास और प्रसार को बढ़ावा मिल सकता है।

स्रोत: प्रेस सूचना ब्यूरो (PIB)

निष्कर्ष

फसल की किस्मों से संबंधित समझौते अनुसंधान, बीज उत्पादन और उन्नत रोपण सामग्री की व्यापक उपलब्धता को बढ़ावा देकर कृषि विकास में योगदान दे सकते हैं। उनका वास्तविक प्रभाव फसल, स्थानीय कृषि परिस्थितियों, बीज की गुणवत्ता और समझौते की शर्तों के क्रियान्वयन पर निर्भर करता है। उपयुक्त किस्मों का चयन करना और गुणवत्तापूर्ण बीजों की उपलब्धता सुनिश्चित करना सतत कृषि के लिए महत्वपूर्ण बना रहता है।

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

1. उन्नत फसल किस्मों का एक प्रमुख उद्देश्य क्या है?

- A. कृषि अनुसंधान को कम करना
- B. फसल के प्रदर्शन में सुधार करना
- C. बीज उत्पादन बंद करना
- D. फसल विविधता को कम करना

उत्तर: B. फसल के प्रदर्शन में सुधार करना

2. उन्नत फसल किस्म में कौन-सी विशेषता हो सकती है?

- A. रोग प्रतिरोधक क्षमता
- B. निश्चित लाभ की गारंटी
- C. पानी की बिल्कुल आवश्यकता न होना
- D. किसी रखरखाव की आवश्यकता न होना

उत्तर: A. रोग प्रतिरोधक क्षमता

3. फसल की किस्मों से संबंधित समझौतों में कौन-से हितधारक भाग ले सकते हैं?

- A. अनुसंधान संस्थान
- B. बीज उत्पादक
- C. उद्योग जगत के भागीदार
- D. उपरोक्त सभी

उत्तर: D. उपरोक्त सभी

4. फसल की किस्म का चयन करते समय किसानों को किन बातों पर विचार करना चाहिए?

- A. स्थानीय कृषि परिस्थितियाँ
- B. क्षेत्र के लिए उपयुक्तता
- C. बीज की गुणवत्ता
- D. उपरोक्त सभी

उत्तर: D. उपरोक्त सभी

Lokrang Festival 2026: Celebration of Folk Art and Culture



Lokrang Utsav is an annual cultural festival organised by Jawahar Kala Kendra (JKK), Jaipur, to celebrate India's rich folk traditions. The 2026 edition is scheduled from 27 October to 6 November 2026. The festival showcases folk dances, music, handicrafts, and traditional artistic practices, providing a platform for artists and artisans to present their cultural heritage.

Key Highlights

Feature	Details
Venue	Jawahar Kala Kendra, Jaipur
2026 Dates	27 October–6 November
Major Components	National Dance Festival and National Handicrafts Fair
Main Focus	Folk art, music, dance and handicrafts

Major Attractions

The festival brings together folk performances and traditional crafts. The adjoining Shilpgram complex represents different cultural regions of Rajasthan, including Marwar, Braj, Shekhawati, tribal areas, the desert region, and Hadoti.

Why Is Lokrang Utsav Important?

- **Cultural Preservation:** Helps promote traditional folk arts and cultural practices.
- **Support for Artisans:** Provides visibility to traditional handicrafts and their makers.
- **Cultural Exchange:** Encourages interaction among artists, artisans, and visitors from different backgrounds.

Conclusion

Lokrang Utsav is an important cultural event that celebrates India's diverse folk traditions in Jaipur. It combines traditional dances with handicrafts and music, which helps to maintain cultural heritage and raise awareness among people regarding indigenous art forms. It also strengthens the connection between artists, artisans, and audiences, contributing to the continued appreciation of India's cultural diversity.

MCQs

1. Where is Lokrang Utsav organised?

- A. Jodhpur
- B. Jaipur
- C. Udaipur
- D. Bikaner

Answer: B. Jaipur

2. Which institution organises Lokrang Utsav?

- A. Jawahar Kala Kendra
- B. Rajasthan University
- C. Rajasthan Police
- D. Archaeological Survey of India

Answer: A. Jawahar Kala Kendra

3. Which is a major component of Lokrang Utsav?

- A. National Handicrafts Fair
- B. International Film Awards
- C. Agricultural Census
- D. Science Olympiad

Answer: A. National Handicrafts Fair

4. What is the primary focus of Lokrang Utsav?

- A. Industrial development
- B. Folk art and cultural heritage

- C. Space research
D. Wildlife conservation

Answer: B. Folk art and cultural heritage

लोकरंग उत्सव 2026: लोक कला और संस्कृति का उत्सव

लोकरंग उत्सव जवाहर कला केंद्र (JKK), जयपुर द्वारा भारत की समृद्ध लोक परंपराओं का उत्सव मनाने के लिए आयोजित किया जाने वाला एक वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव है। वर्ष 2026 का यह संस्करण 27 अक्टूबर से 6 नवंबर 2026 तक निर्धारित है। यह उत्सव लोक नृत्य, संगीत, हस्तशिल्प और पारंपरिक कलात्मक प्रथाओं को प्रदर्शित करता है तथा कलाकारों और शिल्पकारों को अपनी सांस्कृतिक विरासत प्रस्तुत करने के लिए एक मंच प्रदान करता है।

प्रमुख विशेषताएँ

विशेषता	विवरण
आयोजन स्थल	जवाहर कला केंद्र, जयपुर
2026 की तिथियाँ	27 अक्टूबर–6 नवंबर
प्रमुख घटक	राष्ट्रीय नृत्य उत्सव और राष्ट्रीय हस्तशिल्प मेला
मुख्य केंद्रबिंदु	लोक कला, संगीत, नृत्य और हस्तशिल्प

प्रमुख आकर्षण

यह उत्सव लोक प्रस्तुतियों और पारंपरिक हस्तशिल्प को एक साथ लाता है। इसके समीप स्थित शिल्पग्राम परिसर राजस्थान के विभिन्न सांस्कृतिक क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करता है, जिनमें मारवाड़, ब्रज, शेखावाटी, जनजातीय क्षेत्र, मरुस्थलीय क्षेत्र और हाड़ौती शामिल हैं।

लोकरंग उत्सव क्यों महत्वपूर्ण है?

- सांस्कृतिक संरक्षण: पारंपरिक लोक कलाओं और सांस्कृतिक प्रथाओं को बढ़ावा देने में मदद करता है।
- शिल्पकारों को समर्थन: पारंपरिक हस्तशिल्प और उनके निर्माताओं को पहचान दिलाता है।
- सांस्कृतिक आदान-प्रदान: विभिन्न पृष्ठभूमियों के कलाकारों, शिल्पकारों और आगंतुकों के बीच संवाद को प्रोत्साहित करता है।

निष्कर्ष

लोकरंग उत्सव जयपुर में आयोजित होने वाला एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रम है, जो भारत की विविध लोक परंपराओं का उत्सव मनाता है। यह पारंपरिक नृत्य, हस्तशिल्प और संगीत को एक साथ लाता है, जिससे

सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और लोगों में स्वदेशी कला रूपों के प्रति जागरूकता बढ़ाने में मदद मिलती है। यह कलाकारों, शिल्पकारों और दर्शकों के बीच संबंधों को भी मजबूत करता है तथा भारत की सांस्कृतिक विविधता के प्रति निरंतर सराहना को बढ़ावा देता है।

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

1. लोकरंग उत्सव का आयोजन कहाँ किया जाता है?

- A. जोधपुर
- B. जयपुर
- C. उदयपुर
- D. बीकानेर

उत्तर: B. जयपुर

2. लोकरंग उत्सव का आयोजन कौन-सी संस्था करती है?

- A. जवाहर कला केंद्र
- B. राजस्थान विश्वविद्यालय
- C. राजस्थान पुलिस
- D. भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

उत्तर: A. जवाहर कला केंद्र

3. लोकरंग उत्सव का एक प्रमुख घटक कौन-सा है?

- A. राष्ट्रीय हस्तशिल्प मेला
- B. अंतरराष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार
- C. कृषि जनगणना
- D. विज्ञान ओलंपियाड

उत्तर: A. राष्ट्रीय हस्तशिल्प मेला

4. लोकरंग उत्सव का मुख्य उद्देश्य क्या है?

- A. औद्योगिक विकास
- B. लोक कला और सांस्कृतिक विरासत
- C. अंतरिक्ष अनुसंधान
- D. वन्यजीव संरक्षण

उत्तर: B. लोक कला और सांस्कृतिक विरासत